सतसंगसागर

स्वर्गवासी बाबा शालिग्राम रचित

जिसमें भगवान् के दशों अवतारों की कथाएं विचित्र दोहा, चौपाई आदि छन्दों में वर्णित हैं.

तीसरी बार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी. ए., के प्रबन्ध से

मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के छापेखाने में छपा

सन् १९१५ ई० ॥